टिप्पणी

20

अभिवृत्ति, रुचि और कार्य अपेक्षाएँ

मनोविज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक, विभिन्न विशेषताओं के साथ व्यैक्तिक भिन्नता का अध्ययन करना है। हम केवल शारीरिक रूप में ही भिन्न नहीं होते अपितु अपनी आदतों, भावनाओं, व्यक्तित्व के गुणों, विचारों व व्यवहार में भी भिन्न होते हैं। कुछ लोग बहुत मैत्रीपूर्ण, कुछ बहुत शर्मीले, कुछ बहिर्मुखी और कुछ कम बोलने वाले होते हैं। कुछ क्रिकेट देखना, कुछ सिनेमा देखना या कुछ संगीत सुनना या नृत्य में आनन्दित होना पसन्द करते हैं। कुछ डॉक्टर बनना और कुछ इन्जीनियर/अध्यापक/शिल्पकार/दर्जी और ऐसा ही कुछ बनना चाहते हैं।

इसलिये यह स्पष्ट है कि बहुत सी बातों में हम भिन्न होते हैं। इस पाठ में हम उन सब बातों का उल्लेख करेंगे जिनमें लोग अभिवृत्ति, रुचि और योग्यता में भिन्न होते हैं और ये हमारे जीवन में प्रमुख निर्णयों को कैसे निर्धारित करते हैं जैसे अध्ययन के पाठ्यक्रम के चयन में या एक नौकरी के चयन में।

प्रभावी शैक्षिक, व्यक्तिगत और व्यावसायिक चयन के लिए, व्यैक्तिक भिन्नता के ज्ञान की आवश्यकता होती है। मनोवैज्ञानिक एक व्यक्ति की अभिवृत्ति और रुचि के अनुसार विशिष्ट नौकरी की आवश्यकताओं और रुचि के अनुसार, विशिष्ट नौकरी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, सहायता करने के लिए मनोवैज्ञानिक विशेषताओं को मापने की, विभिन्न निर्धारित प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हैं।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप :

- अभिवृत्ति की संकल्पना और शैक्षिक एवं व्यावसायिक चयन में इसकी भूमिका का वर्णन कर सकेंगे;
- रुचि का वर्णन और चयन करने में उसकी भूमिका का वर्णन कर सकेंगे;
- योग्यता को समझने के लिये विभिन्न दृष्टिकोणों से व्याख्या कर सकेंगे, और
- मनोवैज्ञानिक विशेषताओं के मापन हेतु निर्धारण के विभिन्न परीक्षणों एवं कौशलों का वर्णन कर सकेंगे।

20.1 अभिवृत्ति

प्रायः हमने लोगों को टिप्पणी करते हुये सुनते हैं कि उस विशिष्ट बच्चे में संगीत कला या चित्रकला की प्रतिभा है। परोक्ष रूप से यह अभिवृत्ति की ओर संकेत करता है। अभिवृत्ति, कार्य निष्पादन के नियत क्षेत्र में विशेष संभावित क्षमता है। यह किसी विशेष क्षेत्र में कौशल का ज्ञान सीखने या विकसित करने के लिए एक जन्म जात या अर्जित विशेष योग्यता की ओर संकेत करता है। यह नियत प्रकार के कार्य/नौकरी/व्यवसाय में प्रशिक्षण के साथ व्यक्ति की सफलता की संभावना की भविष्यवाणी करता है। एक व्यक्ति की अभिवृत्ति जन्मजात और पारिवेशिय कारकों का परिणाम हैं। अभिवृत्ति निहित योग्यता से कहीं अधिक है। इसमें निम्नलिखित बिंदु सम्मिलित हैं:

- कुछ कौशलों या ज्ञान को प्राप्त करने की तत्परता।
- उन कौशलों/ज्ञान को प्राप्त करने की योग्यता।
- उन क्रियाओं से संतोष प्राप्त करने की योग्यता।

अतः अभिवृत्ति विशेषताओं के संयोजन का उल्लेख करती है जो एक व्यक्ति के सीखने के बाद कुछ विशेष ज्ञान या कौशल को प्राप्त करने की क्षमता को दर्शाता है। अभिवृत्ति का ज्ञान व्यक्ति के भावी कार्य निष्पादन का पूर्वानुमान करने में सहायता करता है। समुचित प्रशिक्षण से इन योग्यताओं को बढ़ाया जा सकता है। अभिवृत्ति का मूल्यांकन किया जा सकता है। अभिवृत्ति का परीक्षण दो स्वरूपों में उपलब्ध है– विशिष्ट अभिवृत्ति परीक्षण और सामान्य अभिवृत्ति परीक्षण। विशिष्ट अभिवृत्ति परीक्षण के उदाहरण हैं : यांत्रिक अभिवृत्ति परीक्षण और संगीत अभिवृत्ति परीक्षण। विविध प्रकार के अभिवृत्ति परीक्षण, परीक्षण बैटरीज रूप में उपलब्ध हैं, जो कि विभिन्न प्रकार के अलग–अलग लेकिन समरूप क्षेत्रों की अभिवृत्ति को मापते हैं। भिन्नता आधारित अभिवृत्ति परीक्षण (बैटरीज) (Differential Aptitude Test Batteries) और सामान्य अभिवृत्ति परीक्षण बैटरीज (General Aptitude Test Batteries) प्रसिद्ध परीक्षण (बैटरीज) के रूप में जानी जाती है।

पाठगत प्रश्न 20.1

1. 'अभिवृत्ति' शब्द से आप क्या समझते हैं?

20.2 रुचि

रुचि को किसी क्रिया को करने में दूसरी क्रिया की अपेक्षा चयन करने अथवा किसी क्रिया या वस्तु की खोजने की प्रवृत्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह किसी विशेष क्रिया

या विशेष क्रिया समूह को पसन्द और नापसन्द या अधिमान्यता की ओर संकेत करता है जैसे कि वकील, डॉक्टर, इन्जीनियर, संगीतज्ञ, कलाकार आदि। व्यक्ति अपने खाली समय को किस प्रकार व्यतीत करना पसन्द करता है इसमें अधिकांश रुचि व्यक्तिगत होती है। रुचि एक निश्चित क्रिया के लिये अधिमान्यता है जो कि भावनात्मक आनन्द प्रदान करती है। मनपसंद कार्य रुचि पर आधारित होते हैं। विस्तृत रूप में रुचि को दो समूहों में बांटा जा सकता है' बाह्य रुचि और आन्तरिक रुचि।

यदि रुचि के क्षेत्र का भावनात्मक आनन्द क्रिया से जुड़ा है, तो यह आन्तरिक रुचि है। बिना किसी प्रतिफल के किसी क्रिया को पसन्द करना आन्तरिक है। यदि भावनात्मक आनन्द किसी प्रतिफल और सराहना से जुड़ा है, तो यह बाह्य रुचि की ओर संकेत करता है। किसी प्रतिफल या धन के लिये किसी क्रिया को करना या पसन्द करना बाह्य रुचि की ओर संकेत करता है। रुचि को मापने के विभिन्न प्रणालियाँ बनायी गयी हैं। उनमें मूल्यांकन, साक्षात्कार, प्रश्नावलियाँ, जाँचसूचियाँ और विस्तृत सूचियाँ सम्मिलित हैं।

रुचि की विस्तृत सूचियाँ मुख्य रूप से व्यावसायिक और शैक्षिक निर्देशन में प्रयोग की गई हैं। यह साक्षात्कार से अधिक सन्तोषप्रद है, क्योंकि बहुत से विशिष्ट प्रश्नों को बड़ी संख्या में कैरियर या विषय की विस्तृत श्रंखला को प्रदर्शित करते हुये, प्रयोग किये जाते हैं। एक विशेषतायुक्त रुचि की विस्तृत सूची में शिक्षण हेतु क्रियाओं की एक सूची होती है, जिसके लिए व्यक्ति अपनी पसन्दगी या नापसन्दगी की प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। स्ट्रांग वोकेशनल ब्लैंक (एस.वी.आई.बी) और कुदर प्रिफ्रेन्सेज रिकार्ड (के.पी.आर.) रुचि को मापने वाले कुछ प्रसिद्ध वृहत्त सूचियाँ हैं।

पाठगत प्रश्न 20.2

1. आप क्यों सोचते हैं कि आन्तरिक रुचि और प्रार्थी के व्यक्तित्व गुणों के बीच बेहतर मिलान का नेतृत्व करेगी?

20.3 योग्यता

योग्यता, जोकि प्रायः बुद्धि के रूप में जानी जाती है, व्यैक्तिक भिन्नता का एक महत्वपूर्ण स्रोत दर्शाती है। योग्यता कार्य करने की जन्मजात शक्ति है और समस्या के समाधान में हमारी सहायता करती है। पर्यावरण योग्यता को पोषित कर सकता है लेकिन व्यक्ति के अन्दर पैदा नहीं कर सकता। योग्यता ज्ञान को संचित करने में सहायता करती है लेकिन वह स्वयं ज्ञान से भ्रमित नहीं होनी चाहिये। ये योग्यतायें व्यक्ति में कार्य–कुशलता को बढ़ाती हैं।

बुद्धि व्यक्ति की एक प्रमुख योग्यता है। बहुत से अनुसंधानों ने बुद्धि को आँकने के परीक्षणों और

तकनीकों को बनाने का कार्य किया है। बुद्धि की संकल्पना को दर्शाने में बहुत सी पद्धतियाँ हैं। प्रारम्भ में यह ज्ञानात्मक या बौद्धिक क्षेत्र तक ही सीमित था। समकालीन विचार से, जैसा कि गार्डनर द्वारा बताया गया है कि बुद्धि विभिन्न प्रकार की होती है और लोग ज्ञानात्मक, संगीतात्मक, शारीरिक, पारस्परिक और दूसरे तरह की बुद्धि के हो सकते हैं।

20.4 मानसिक आयु और बुद्धिलब्धि

मानसिक योग्यता विकासात्मक प्रकृति की होती है। यह आयु के साथ बढ़ती है। इसलिये मनोवैज्ञानिकों ने मानसिक आयु सम्बन्धी मापक तैयार किये हैं। प्रत्येक माप में प्रश्नों की एक श्रंखला होती है जिनके उत्तर साधारणतयाः उस आयु के अधिकतर बच्चों के द्वारा सही दिये जाते हैं। उदाहरण के लिये पांच साल की आयु माप सभी पांच वर्ष वाले बच्चे आसानी से कर सकें (उसी प्रकार पांच वर्ष के ऊपर भी) लेकिन चार वर्ष के नहीं कर सके। अतः जिस विद्यार्थी ने पांच वर्ष वाली मापनी उत्तीर्ण कर ली, उसकी मानसिक आयु पांच वर्ष है। स्वयं मानसिक आयु की संकल्पना हमें यह नहीं बताती कि बच्चा कितना तीव्र बुद्धि, सामान्य या मंदबुद्धि है। इसको सिद्ध करने के लिये, हमें बालक की मानसिक आयु के साथ उसकी वास्तविक या क्रमिक आयु की तुलना करना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए 'बुद्धि लब्धि' की संकल्पना और वास्तविक आयु को 100 से गुणा करने पर निकाला जा सकता है।

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100 \quad \text{या IQ} = \frac{\text{Mental Age (MA)}}{\text{Chronological Age (CA)}} \times 100$$

यह देखा जा सकता है कि जहाँ मानसिक आयु और वास्तविक आयु समान है, तो बुद्धिलब्धि 100 है। (जो कि परिभाषा के अनुसार सामान्य है), जहाँ मानसिक आयु, वास्तविक आयु से अधिक हो, बुद्धिलब्धि 100 से ऊपर होगी या सामान्य से अधिक और जहाँ वास्तविक आयु, मानसिक आयु से अधिक है, बुद्धिलब्धि 100 से नीचे है या सामान्य से कम होगी। जबकि, मानसिक आयु का विचार 18 वर्ष से ऊपर के लोगों पर लागू नहीं होता, क्योंकि इस समय तक जन्मजात मानसिक योग्यता पूरी तरह विकसित हो जाती है। अतः बुद्धिलब्धि का विचार 18 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिये कोई अधिक महत्व नहीं रखता। आजकल के अभ्यास, एक अंक स्कोर निर्धारण के अतिरिक्त, विभिन्न प्रकार की योग्यताओं और कार्यों हेतु व्यक्ति की एक रूपरेखा तैयार करते हैं।

पाठगत प्रश्न 20.3

1. मानसिक आयु और बुद्धि–लब्धि में क्या अन्तर है?

2. योग्यता से आप क्या समझते हैं?

20.5 अभिवृत्ति, रुचि और योग्यता में सम्बन्ध और महत्व

कार्य–निर्णयों को व्यक्ति की योग्यता, अभिवृत्ति और रुचि के अनुरूप बनाना आवश्यक है। ये संकल्पनाएं शिक्षा के विभिन्न स्तरों या विभिन्न श्रेणियों में अध्ययन के विषयों के चयन, शौक, कुछ विशेष कौशलों के सीखने इत्यादि से संबंधित हैं।

एक व्यक्ति के लिए आजीविका का चयन बहुत महत्वपूर्ण निर्णय है। एक सही आजीविका का चयन प्रसन्नता और कार्य–संतुष्टि प्रदान करता है। अतः कार्य के बारे में सही, निश्चित, विश्वसनीय और सम्पूर्ण जानकारी एवं व्यक्ति की अभिवृत्ति, रुचि व योग्यता के अनुरूप आजीविका का निर्णय होना चाहिए।

20.6 कार्य की आर्हताओं का विश्लेषण और संप्रेषण

कार्य का विवरण कई उद्देश्यों का समाधान करता है। कार्य विवरण का उद्देश्य अभ्यर्थी को यह सूचित करता है कि नियोक्ता उनसे क्या–क्या कार्य करवाना चाहता है और उस व्यवसाय या नौकरी के लिये ज्ञान और कौशल जो उन्हें कार्य सम्पादित करने के लिये आवश्यकता होती है अर्थात् अभिवृत्ति, रुचि और योग्तया। यह उसका उद्देश्य पूरा करता है जब यह सही अभ्यर्थी को सही अभिवृत्ति के साथ आकर्षित करता है। कार्य विवरण विशेषकर वेतन और दूसरे लाभ, काम का समय और छुट्टियाँ साथ ही साथ आवश्यक बुद्धि–स्तर, अभिवृत्ति और रुचि के बारे मे जानकारी देता है। उदाहरण के लिये, एक स्कूल अध्यापक की नौकरी के लिये अच्छा संप्रेषण कौशल, धैर्य, शिक्षण योग्यता की आवश्यकता होती है। कार्य विवरण में स्कूल का समय, छुट्टियाँ और वेतन का ब्यौरा भी सम्मिलित होता है। यदि एक अभ्यर्थी पाता है कि उसमें आवश्यक शैक्षिक योग्तया, अभिवृत्ति और रुचि है तो वह एक अध्यापक बनने का निर्णय ले सकता है।

अगले अध्याय में आप और अधिक जानेंगे कि कैरियर के बारे में कैसे निर्णय लें।

पाठगत प्रश्न 20.4

1. सही कैरियर के निर्णय के क्या–क्या परिणाम हैं?

2. कार्य विवरण का क्या उद्देश्य है?

आपने क्या सीखा

- व्यक्ति की अभिवृत्ति, रुचि और योग्यता को जानना और उनको कार्य की मांग के अनुसार मिलाना आवश्यक है।
- अभिवृत्ति, रुचि और योग्यता के मूल्यांकन के द्वारा व्यैक्तिक भिन्नता का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।
- एक निश्चित कार्य निष्पादन के क्षेत्र में अभिवृत्ति एक विशिष्ट योग्यता है। यह आन्तरिक और पर्यावरणीय कारकों का परिणाम है।
- अभिवृत्ति परीक्षणों के परिणाम शैक्षिक और व्यावसायिक निर्देशन में उपयोगी है।
- रुचि को, एक क्रिया की दूसरे की अपेक्षा चयन करने की प्रवृत्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- आन्तरिक रुचियाँ वास्तविक और प्राकृतिक होती हैं जबकि बाह्य रुचियाँ अर्जित और बाहरी होती हैं।
- रुचि, शैक्षिक और व्यावसायिक निर्देशन में, विषय क्षेत्र के चयन में या पाठ्यक्रम या स्त्रोत में सहायता प्रदान करती हैं।
- रुचि की वृहत सूचियों से प्रदत्तयों की योग्यता और अभिवृत्ति के परीक्षाों साथ ही व्यावसायिक अनुभवों, सहगामी क्रियाओं या मन बहलाने वाले कार्यों द्वारा अनुपूरित किया जाना चाहिए।
- योग्यता प्रायः बुद्धि के रूप में जानी जाती है। यह एक निश्चित नौकरी के लिये अभ्यर्थी की योग्यता के बारे में जानकारी के प्रमुख स्त्रोत को प्रदर्शित करता है।
- एक नौकरी की आवश्यकता में कार्य की प्रकृति, वेतन, कार्य–दशा, समय और योग्यता, अभिवृत्ति और रुचि, जो कि नौकरी में प्रगति के लिये आवश्यकता की जानकारी आती है।

पाठांत प्रश्न

1. अभिवृत्ति क्या है? एक अभिवृत्ति परीक्षण का वर्णन कीजिए और उसका प्रयोग बताइये।
2. रुचि क्या है? सही विषयों और कैरियर के चयन में रुचि कैसे सहायता करती है?
3. योग्यता की संकल्पना का संक्षिप्त विवेचन कीजिये और बुद्धि के नये दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।
4. शैक्षिक और व्यावसायिक चयन में अभिवृत्ति, रुचि और योग्यता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

20.1

1. यह एक विशिष्ट योग्यता है और भविष्य के कार्य निष्पादन का निर्धारण करने में सहायता प्रदान करती है।

20.2

1. इसमें विशिष्ट क्रिया के लिए पसंदगी सम्मिलित है।

20.3

1. मानसिक आयु का तात्पर्य मानकीय आशय में आयु सम्बन्धी मानसिक परिपक्वता के सम्बन्ध से है जबकि बुद्धि लब्धि का तात्पर्य मानसिक आयु और वास्तविक आयु के अनुपात से है।
2. कार्य करने की जन्मजात क्षमता।

20.4

1. प्रसन्नता और कार्य संतुष्टि
2. यह कार्य की प्रकृति, वेतन और कार्य–दशा आदि की जानकारी प्रदान करती है।

पाठांत प्रश्नों के लिए संकेत

1. खण्ड 20.1 देखें।
2. खण्ड 20.2 देखें।
3. खण्ड 20.3 देखें।
4. खण्ड 20.5 देखें।